मुफ्त राशन और यात्रा भत्ता बन रहा टीबी के इलाज में बेहतर विकल्प

प्रदीप सुरीन | Jan 28, 2017, 14:59 IST

Ad closed by Google

Tweet It Share On Facebook Get interesting news alerts

सिम्बॉलिक इमेज।

नई दिल्ली। चौबीस वर्षीय इमरान को टीबी की दोहरी मार पड़ी थी। साल भर पहले उन्हें एक्सडीआर-टीबी (सबसे घातक टीबी संक्रमण) हो गया है। साथ ही नौकरी से भी हाथ धोना पड़ा है। इमरान बताते हैं कि एक्सडीआर-टीबी का मुफ्त इलाज उन्हें नजदीकी स्वंयसेवी संस्था की मदद से उपलब्ध हो रहा है। लेकिन इससे ज्यादा बड़ी समस्या पौष्टिक आहार की थी। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय संगठन एमएसएफ ने इमरान को इलाज पूरा होने तक मुफ्त राशन की व्यवस्था कर दी है। उन्हें अब महीने में दस किलो अनाज, दाल और तेल आदि उपलब्ध कराया जा रहा है। देश के कई राज्यों में छोटे-छोटे पायलट प्रोजक्ट के तहत टीबी मरीजों को दिए गए राशन और प्रोत्साहन राशि के काफी आशाजनक नतीजे देखते हुए केंद्र सरकार अब ऐसी ही एक योजना पूरे देश मे लागू करने पर विचार कर रही है।

Advertisement

START NOW

Login to Your Account

Sign In and Check Your Email

अब पूरे देश में लागू करने की तैयारी: डॉ. खरपडे

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में टीबी विभाग के डीडीजी डॉ. सुनिल खरपडे ने कहा "हमने अक्षय योजना के तहत 200 टीबी मरीजों को विभिन्न कल्याण योजनाओं से जोड़कर राशन और आने जाने का भाड़ा दिया। इसके नतीजे भी बेहतर आए हैं। एमएसएफ और अन्य केंद्रों में राशन देने वाले हस्तक्षेप और इनके परिणाम को देखते हुए केंद्र सरकार ने पूरे देश में सभी स्तर के टीबी मरीजों को इलाज साथ ही मुफ्त राशन और भाड़ा देने के लिए योजना तैयार किया है। हालांकि हम मरीजों को इसके लिए सीधे पैसे देने की बजाए कूपन उपलब्ध कराएंगे ताकि टीबी से प्रभावी ढंग से लड़ा जा सके।"

गंभीर टीबी मरीज भी हो रहे हैं स्वस्थ्य

टीबी की सबसे घातक अवस्था एक्सडीआर-टीबी और एक्सएक्सडीआर-टीबी के लगभग 70 मरीजों के इलाज के दौरान पहली बार मुफ्त राशन की शुरुआत एमएसएफ ने किया है। एमएसएफ के मुंबई केंद्र में तैनात एडवोकेसी मैनेजर सिद्धेश चंद्रशेखर गुननदेकर बताते हैं कि मौजूदा टीबी नियंत्रण कार्यक्रम के तहत मरीजों को मुफ्त दवाएं तो उपलब्ध करा दी जाती हैं। लेकिन नाजुक समय में मरीज के नौकरी छूटने या फिर गरीब परिवारों में पौष्टिक भोजन उपलब्ध नहीं हो पाता है। यही कारण है कि कई बार मरीजों की मौत हो जाती है। या फिर मरीज बीच में ही इलाज छोड़ देता है। हमने टीबी केंद्र में मुफ्त राशन और आने-जाने के लिए किराया मुहैया कराना शुरू किया। अब ज्यादातर टीबी मरीजों में दवाएं प्रभावी ढंग से काम कर रही हैं। कई गंभीर टीबी मरीज अब पूरी तरह से ठीक होने को हैं।

इसलिए जरूरी है मुफ्त राशन और प्रोत्साहन राशि

-भारत में पचास फीसदी टीबी संक्रमण की मुख्य वजह कुपोषण है।
-टीबी का इलाज कराने वाला मरीज अपनी कमाई का औसतन 50 प्रतिशत कमाई सिर्फ दवा और राशन में लगा देता है।
-आर्थिक रूप से बेहद पिछले परिवारों में टीबी संक्रमण की संभावना पांच गुना अधिक होती है।
-देश के 33 प्रतिशत महिलांए और 28 फीसदी पुरुष कुपोषित हैं।
-देश में टीबी संक्रमित पुरुष का औसत वजन 43 किग्रा, महिला का 38 किग्रा है।
-विभिन्न शोध कर चुके दावा भारत में कुपोषण का सीधा संबंध टीबी से है।

सात से ज्यादा देशों में है प्रोत्साहन राशि की व्यवस्था

पड़ोसीदेश बांग्लादेश और लैटिन अमेरिकी देश ब्राजील टीबी मरीजों को हर महीने पौष्टिक आहार खरीदने के लिए सीधे बैंक खातों में पैसा ट्रांसफर करते हैं। रूस जैसे विकसित देश भी टीबी मरीजों को सिर्फ गर्म खाना उपलब्ध करता है, बल्कि राशन, पैसा और पहनने को कपड़े भी देता है। मलावी, पेरू और कंबोडिया सरकार भी ऐसी ही योजनाएं चलाती है।

पहली बार कॉर्पोरेट्स भी सीएसआर के तहत दे रही राशन

मुंबई में टीबी नियंत्रण विभाग की प्रमुख डॉ. दक्षा शाह के मुताबिक पहली बार इससे लड़ने के लिए कार्पोरेट्स सामने आए हैं। मुंबई में विभिन्न बैंकों और कंपनियों ने राशन और इलाज संबंधि पैसा देने शुरू किया है। 'आरोग्यवर्धिनी योजना' के तहत मरीजों को ताजा भोजन और घर में खाने के लिए राशन उपलब्ध कराया जा रहा है।

(एमएसएफ फेलोशिप के तहत)